कानपुर, शनिवार, 03 जनवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 8, पृष्ठः 8+4

प्रधान संपादकः पुरुषोत्तम द्विवेदी

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड प्रयागराज से काशी तक आस्था की डुबकी >Pg12

सांसद डिंपल यादव और बेटी की फेक तस्वीर वायरल... > Pg03

मूल्यः 2 ₹

कोडीन कफ सिरप तस्करी पर योगी सरकार का बड़ा एक्शन शुरू

2,000 करोड़ के नशा सिंडिकेट पर शिकंजा कसने के लिए आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोडीन फॉस्फेट युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी को लेकर सियासी तापमान चरम पर पहुंच गया है। विधानसभा के शीतकालीन सत्र से ठीक पहले सामने आए इस मामले ने न सिर्फ प्रदेश की कानून-व्यवस्था और नशामुक्ति अभियान को केंद्र में ला दिया है, बल्कि सत्ता और विपक्ष को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। इस बीच योगी सरकार ने साफ कर दिया है कि कफ सिरप तस्करी के इस संगठित अपराध के खिलाफ अब निर्णायक और कठोर कार्रवाई होगी। सूत्रों के मुताबिक, पूरे सिंडिकेट से जुड़े आरोपियों पर गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की तैयारी पूरी कर ली गई है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया से बातचीत में इस मामले को महज अवैध दवाओं की तस्करी नहीं, बल्कि एक माफिया नेटवर्क करार दिया। उन्होंने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में जिन-जिन माफियाओं पर कार्रवाई हुई है, उनके तार किसी न किसी रूप में सपा से जुड़े रहे हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कफ सिरप तस्करी में पकड़े गए कुछ आरोपियों के राजनीतिक संपर्क सामने आए हैं, जिनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। योगी ने शायराना अंदाज़ में तंज कसते हुए कहा था कि ÷धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करते रहे।÷ उन्होंने दो टूक कहा कि जांच को अपने अंजाम

➪ सरकारी जांच एजेंसियों के अनुसार, अब तक 37 लाख से अधिक बोतलों की अवैध बिक्री का खुलासा हुआ है

तक पहुंचने दिया जाएगा और दोषी चाहे किसी भी दल या प्रभावशाली व्यक्ति से जुड़ा हो, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

सरकारी जांच एजेंसियों के अनुसार, अब तक 37 लाख से अधिक बोतलों की अवैध बिक्री का खुलासा हुआ है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 57 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वहीं, पूरे सिंडिकेट का कारोबार लगभग 2,000 करोड़ रुपये तक आंका जा रहा है। यह कफ सिरप उत्तर प्रदेश से बिहार, पश्चिम बंगाल और शराबबंदी वाले अन्य राज्यों के साथ-साथ सीमा पार तक भेजा जा रहा था। अधिकारियों के मुताबिक, शराबबंदी वाले राज्यों में इसे नशे के सस्ते विकल्प के तौर पर बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा था।

पूर्वांचल के माफिया का नाम सामने आने के बाद सियासी पारा हुआ था हाई

☛ जांच में सामने आया था है कि वाराणसी, जौनपुर, लखनऊ, गाजियाबाद और सोनभद्र जैसे जिलों में फैला यह नेटवर्क फर्जी लाइसेंस, शेल कंपनियों और जाली दस्तावेजों के जरिए काम कर रहा था। इस रैकेट का मास्टरमाइंड शुभम जायसवाल बताया जा रहा है, जो कभी एक साधारण मेडिकल सप्लायर था, लेकिन कुछ ही वर्षों में उसने अंतरराज्यीय और अंतरराष्ट्रीय तस्करी का नेटवर्क खड़ा कर लिया। आरोप है कि कोरोना काल के दौरान उसने हिमाचल प्रदेश की दवा फैक्ट्रियों से कफ सिरप मंगवाकर उत्तर प्रदेश के गुप्त गोदामों से इसकी सप्लाई शुरू की। फिलहाल वह फरार है और उसके दुबई में छिपे होने की आशंका जताई जा रही है। सरकार ने पूरे मामले की निगरानी के लिए राज्य स्तरीय विशेष जांच टीम (स्ढ्ढञ्ज) का गठन किया है, जिसमें यूपी पुलिस, एसटीएफ और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। वहीं, प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने मनी लॉन्ड्रिंग के एंगल से जांच शुरू कर दी है। अब तक 12 से अधिक दवा कारोबारियों पर केस दर्ज किए जा चुके हैं और कई ठिकानों पर छापेमारी हो चुकी है। अवैध कमाई से बनाई गई संपत्तियों की पहचान कर कुर्की की प्रक्रिया भी तेज कर दी गई है।

अखिलेश यादव ने किया था कटाक्ष

मुख्यमंत्री के आरोपों के बाद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के जरिए पलटवार किया है। बिना नाम लिए उन्होंने शायरी के अंदाज़ में सरकार पर आरोप लगाया था कि जब खुद फंस जाओ तो दूसरों पर इल्ज़ाम लगाया जाता है। सपा नेताओं का कहना है कि सरकार अपनी प्रशासनिक नाकामियों से ध्यान हटाने के लिए विपक्ष को निशाना बना रही है। इस पूरे विवाद के बीच विधानसभा का शीतकालीन सत्र भी बेहद अहम माना जा रहा है। सत्र के दौरान कफ सिरप तस्करी का मुद्दा सदन के भीतर और बाहर तीखी बहस का केंद्र बनने की पूरी संभावना है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह मामला आने वाले समय में 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीति पर भी असर डाल सकता है। एक ओर योगी सरकार इसे नशामुक्त प्रदेश और माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई के तौर पर पेश कर रही है, तो दूसरी ओर विपक्ष इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहा है। फिलहाल जांच एजेंसियों की कार्रवाई तेज है और प्रदेश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कफ सिरप तस्करी सिंडिकेट पर सरकार की यह कार्रवाई किस हद तक और किन-किन बड़े नामों तक पहुंचती है।

देरी ने बढ़ाई बुलेट ट्रेन की कीमत, लागत पहुंची दो लाख करोड़

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर में लगातार हो रही देरी अब भारी पड़ती नजर आ रही है। चार साल से अधिक की देरी के चलते इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अनुमानित लागत बढ़कर करीब 1.98 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यह आंकड़ा शुरुआती स्वीकृत लागत लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपये की तुलना में करीब 83 प्रतिशत अधिक है। परियोजना को लागू कर रही नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड की 'प्रगति' समीक्षा बैठक में यह जानकारी सामने आई। रेलवे बोर्ड के चेयरमैन और सीईओ सतीश कुमार ने बताया कि संशोधित लागत को लेकर अंतिम मंजूरी अभी शेष है और अगले एक-दो महीनों में इस पर फैसला हो सकता है।

➪ चार साल से ज्यादा की देरी, शुरुआती अनुमान से 83 प्रतिशत तक बढ़ा खर्च

➪ भूमि अधिग्रहण और मंजूरी में अड़चन बनी बड़ी वजह, 55 फीसदी से ज्यादा काम पूरा

रेलवे अधिकारियों के अनुसार परियोजना में देरी के पीछे भूमि अधिग्रहण में सुस्ती, कानूनी और वैधानिक मंजूरियों में समय लगना और ट्रेनों के चयन में हुई देरी जैसे कई कारण रहे हैं। 30 नवंबर तक परियोजना की भौतिक प्रगति 55.6 प्रतिशत और वित्तीय प्रगति 69.6 प्रतिशत दर्ज की गई है। इस दौरान करीब 85,801 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी रेलवे मंत्रालय की समीक्षा

बैठक में इस परियोजना को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए थे।

इसी क्रम में रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 1.5 किलोमीटर लंबी पर्वतीय सुरंग के अंतिम ब्रेकथ्रू का वर्चुअल माध्यम से निरीक्षण किया। उन्होंने इसे परियोजना की बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह माउंटेन टनल-5 का अहम पड़ाव है। रेल मंत्रालय के अनुसार यह पालघर जिले की सबसे लंबी सुरंगों में शामिल है और विरार व बोईसर स्टेशनों के बीच स्थित है। यह महाराष्ट्र में दूसरी बड़ी सुरंग है, जबकि इससे पहले ठाणे और बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स के बीच पांच किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग पूरी हो चुकी है।

508 किलोमीटर लंबा यह बुलेट ट्रेन कॉरिडोर गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा एवं नगर हवेली से होकर गुजरेगा। इसे 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ट्रेन संचालन के लिए तैयार किया जा रहा है और भविष्य में इससे भी तेज जापानी शिंकानसेन ट्रेनों के संचालन की संभावना रखी गई है। परियोजना पूरी होने पर सड़क परिवहन की तुलना में कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में लगभग 95 प्रतिशत तक कमी आने का अनुमान है। पहला चरण सूरत से बिलीमोरा के बीच अगस्त 2027 में शुरू होने की संभावना है, जबकि पूरे कॉरिडोर के दिसंबर 2029 तक पूरा होने का लक्ष्य रखा गया है।

महाठग रविंद्रनाथ सोनी पर और कसा गया कानूनी शिकंजा

» सीजेएम कोर्ट ने धारा 409 बढ़ने के बाद किया तलब

» धोखाधड़ी व षड्यंत्र मामले में पहले से जेल में बंद है आरोपी

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। महाठगी के एक चर्चित मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सूरज मिश्रा की अदालत ने शनिवार को आरोपित रविंद्रनाथ सोनी को तलब किया है। कोतवाली थाने में दर्ज मुकदमे में रविंद्रनाथ को पहले ही धोखाधड़ी और षड्यंत्र की धाराओं में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

मामले के विवेचक जगदीश प्रसाद पांडेय ने सीजेएम कोर्ट में प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि विवेचना के दौरान रविंद्रनाथ सोनी की भूमिका बैंकर, व्यापारी या एजेंट के रूप में आपराधिक विश्वासघात से जुड़ी पाई गई है। इसके चलते मुकदमे में भारतीय दंड संहिता की धारा 409 जोड़ी गई है। विवेचक की ओर से धारा 409 के तहत भी आरोपित को न्यायिक हिरासत में लेने की मांग की गई, जिस पर संज्ञान लेते हुए अदालत ने रविंद्रनाथ सोनी को तलब करने का आदेश दिया है। अब इस नई धारा के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर सेंट्रल पर अवैध शराब के साथ तस्कर पकड़ा गया

कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान जीआरपी ने प्लेटफॉर्म नंबर एक से शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध शराब बरामद की गई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आदिल के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अवैध रूप से शराब की तस्करी कर रेलवे मार्ग के जरिए सप्लाई करता था। जीआरपी थाना प्रभारी जीआरपी ओम नारायण सिंह ने कहा कि रेलवे स्टेशन को अपराध मुक्त बनाए रखने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

सोशल मीडिया पर 11वीं की छात्रा से दोस्ती अश्लील वीडियो बनाकर की वसूली

आरोपी के खिलाफ की गई एफआईआर दर्ज

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। बजरिया में कक्षा 11 की छात्रा का अश्लील वीडियो बनाकर आरोपी प्रिंस पटेल ने परिवार से 4,900 रुपये वसूल लिए। इसके बाद और रुपयों के लिए धमकी मिलने पर परिवार ने प्राथमिकी दर्ज कराई है।

कानपुर में बजरिया थाना क्षेत्र के सीसामऊ में ग्याहरवीं की छात्रा से युवक ने इंस्टाग्राम से दोस्ती की। इसके बाद उसका अश्लील वीडियो बनाकर फोन पे के माध्यम से 4900 रुपये की वसूली की। छात्रा की मां ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। सीसामऊ की रहने वाली महिला ने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी कक्षा 11 की छात्रा है। आरोप है कि बेटी की दो साल पहले इंस्टाग्राम पर प्रिंस पटेल नाम के लड़के से दोस्ती

हुई थी। उस दौरान दोनों वीडियो कॉल पर बात करते थे। आरोपी प्रिंस ने नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर उसका अश्लील वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया था।

फरवरी 2025 में प्रिंस ने पति को कॉल कर बेटी का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर डालकर बदनाम करने के एवज में 10 हजार रुपये की वसूली मांगी।

इस पर उन लोगों ने घबराकर चार जुलाई को प्रिंस पटेल के मोबाइल नंबर पर ऑनलाइन फोन पे के माध्यम से 1500, आठ जुलाई को 2500 रुपये और 900 रुपये ट्रांसफर कराए। आरोप है कि प्रिंस फिर से फोन करके बची रकम लगातार देने के लिए दबाव बनाकर धमकी दे रहा है।

इस परिवार के लोग बेहद परेशान हैं। बजरिया इंस्पेक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि महिला ने एक जनवरी को तहरीर देकर प्रिंस पर जबरन वसूली, धमकाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

ज्वेलरी कारोबारी फंसा जाल में, 55 लाख की साइबर ठगी

» ऑनलाइन खरीद-फरोख्त में मुनाफे का लालच देकर एक माह में कराए लाखों ट्रांसफर

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। चकेरी इलाके में रहने वाले आर्टिफिशियल ज्वेलरी कारोबारी को ई-कॉमर्स साइट के जरिए साइबर ठगों ने बड़े मुनाफे का झांसा देकर करीब 55.15 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना लिया। ठगों ने ऑनलाइन विभिन्न उत्पाद खरीदने और उसी प्लेटफॉर्म पर बिक्री कर ज्यादा लाभांश दिलाने का लालच दिया। एक माह तक अलग-अलग बैंक खातों में रकम ट्रांसफर कराने के बाद जब लाभ मिलना बंद हुआ तो कारोबारी को ठगी का एहसास हुआ।

पीड़ित नवीन कुमार पांडेय निवासी देहलीसुजानपुर भवानी नगर के मुताबिक, फेसबुक पर उन्हें 'विश ई-कॉमर्स' नाम की कैलिफोर्निया स्थित कंपनी की वेबसाइट दिखाई दी। कंपनी के एजेंट ने बताया कि उनसे जुड़े लोग ऑनलाइन उत्पाद खरीद सकते हैं, जिन्हें कंपनी बेहतर दामों पर दूसरी फर्मों को बिकवा देती है।

शुरुआती दौर में कुछ उत्पादों की खरीद-बिक्री दिखाकर उन्हें लाभांश भी भेजा गया, जिससे उनका भरोसा बढ़ गया। इसके बाद नवंबर से दिसंबर 2025 के बीच विभिन्न खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर करा लिए गए। कारोबारी ने बताया कि इस दौरान निराला नगर स्थित

एक्सिस बैंक के एक खाते में सात लाख रुपये भी जमा कराए गए, जो जाजमऊ के न्यू अंबेडकर नगर स्थित एक यूएस लेदर फर्म के नाम से खुला बताया गया था।

जब वह वहां पहुंचे तो उस पते पर कोई फर्म नहीं मिली, बल्कि अन्य लोग रहते पाए गए। 24 दिसंबर को मध्य प्रदेश के शहडोल निवासी विकास यादव ने फोन कर तीन लाख रुपये और जमा करने का दबाव बनाया और पैसे न देने पर पूरी रकम डूबने की धमकी दी, जिससे ठगी की आशंका पुख्ता हो गई। पीड़ित ने मामले की शिकायत डीसीपी क्राइम से की, जिसके आदेश पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है। साइबर थाना प्रभारी सतीश चंद्र यादव के अनुसार, जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, उनकी जानकारी जुटाने के लिए संबंधित बैंकों को ई-मेल भेजे गए हैं। खाताधारकों और धनराशि की स्थिति की जांच की जा रही है, ताकि ठगों तक पहुंचा जा सके।

इंदौर के बाद कानपुर में भी नलों से निकला दूषित पानी, प्रशासन अलर्ट

सीएम योगी के निर्देश पर जलकल विभाग का विशेष सर्वे, सोमवार से मुहल्ला-मुहल्ला कार्रवाई

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। इंदौर में दूषित जलापूर्ति पीने से हुई मौतों के बाद उत्तर प्रदेश के कानपुर में दूषित जल की समस्या सामने आई तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर प्रशासन पूरी तरह हरकत में आ गया है। शहर में करीब 15 हजार अवैध जल कनेक्शन, पाइपलाइन लीकेज और नालियों से होकर गुजर रहे पाइप पेयजल आपूर्ति के लिए गंभीर खतरा बने हुए हैं। कई इलाकों में गंदा पानी पहुंचने से लोगों में आक्रोश है। हालात को काबू में करने के लिए जलकल विभाग ने विशेष सर्वे टीमें गठित की हैं, जो सोमवार से एक-एक मुहल्ले में जांच कर अवैध कनेक्शन काटेंगी और लीकेज की मरम्मत करेंगी।

> सभी जोनों में टीमें बनाई गई हैं, जो सर्वे के साथ-साथ मौके पर ही कार्रवाई करेंगी। रोजाना लीकेज ठीक किए जाएंगे और जल की गुणवत्ता की जांच भी की जाएगी। फिलहाल ओटी टेस्ट के जरिए क्लोरीन की मौजूदगी और बैक्टीरिया की जांच की जा रही है। प्रतिदिन करीब 20 से 22 सैंपलों की जांच होती है और जहां भी कमी पाई जाती है, उसे तुरंत दुरुस्त किया जाता है। प्रशासन का दावा है कि इस अभियान से दूषित जलापूर्ति पर जल्द ही पूरी तरह अंकुश लगाया जाएगा।
>
> **नीरज गौड, महाप्रबंधक जलकल**

जलकल विभाग के अनुसार, नालियों से गुजर रही पाइप लाइनों को हटाया जाएगा, ताकि सीवर का गंदा पानी सप्लाई लाइन में न मिले।

विभाग की अपनी प्रयोगशाला में जल की नियमित जांच होती है, जहां क्लोरीन स्तर और बैक्टीरिया की मौजूदगी की जांच की जाती है। जलापूर्ति से पहले गंगा और लोअर गंगा कैनाल से लिए जाने वाले कच्चे पानी की गुणवत्ता जांचकर उसी आधार पर फिटकरी और क्लोरीन डाली जाती है। वर्तमान में गंगा का हैजन स्तर 30 होने के कारण रोजाना करीब छह मीट्रिक टन फिटकरी और 950 किलोलीटर क्लोरीन का उपयोग किया जा रहा है।

सांसद डिंपल यादव और बेटी की फेक तस्वीर वायरल, साइबर थाने में एफआईआर

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी और मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव तथा उनकी बेटी की एडिटेड और आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल किए जाने के मामले में कानपुर साइबर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। यह रिपोर्ट समाजवादी अधिवक्ता सभा के राष्ट्रीय अधिवक्ता सचिव प्रवीण यादव ने दर्ज कराई है।

शिकायत में कहा गया है कि 27 दिसंबर को जानबूझकर ऐसी तस्वीरें प्रसारित की गईं, जिनका उद्देश्य सांसद डिंपल यादव की छवि धूमिल करना और उनकी भावनाओं को आहत करना था। प्रवीण यादव ने आरोप लगाया कि इन तस्वीरों के वायरल होने से आम जनता पर गलत प्रभाव पड़ा और महिलाओं में भारी आक्रोश देखा गया। उन्होंने कहा कि डिंपल यादव पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पत्नी होने के साथ ही पद्म विभूषण मुलायम सिंह यादव की बहू हैं और परिवार का देश-विदेश में सम्मान है। ऐसे में इस तरह की हरकत निजता का खुला उल्लंघन है। साइबर थाना प्रभारी सतीश यादव के अनुसार, मामले की जांच इंस्पेक्टर दलवीर सिंह यादव को सौंपी गई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- सोशल मीडिया पर एडिटेड फोटो प्रसारित कर निजता के उल्लंघन करने का आरोप, अधिवक्ता सभा ने दर्ज कराई रिपोर्ट

घाटमपुर में ओमिनी वैन ऑटो की भीषण टक्कर हाईवे पर बिखरे घायल

- रिंद नदी पुल पर आमने-सामने भिड़ंत, सात घायल, छह जिला अस्पताल रेफर
- कानपुर-सागर हाईवे पर एक किलोमीटर जाम, क्रेन से हटवाए गए वाहन

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। घाटमपुर क्षेत्र के पतारा में धरमपुर बंबा स्थित रिंद नदी पुल पर ओमिनी वैन और ऑटो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि घायल करीब दस फिट तक सड़क पर पड़े नजर आए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से बिधनू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छह घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें कानपुर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया।

हादसे के बाद कानपुर-सागर हाईवे पर करीब एक किलोमीटर लंबा जाम लग गया और कुछ समय के लिए यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क किनारे हटवाकर धीरे-धीरे यातायात बहाल कराया। इस दुर्घटना में अच्छेलाल गुप्ता, राज, प्रदीप कुमार, दीपक, महेश कुमार सविता, दिलीप और अनुराग घायल हुए हैं। घाटमपुर थाना प्रभारी दिनेश सिंह बिष्ट ने बताया कि घायलों को उपचार के लिए भेज दिया गया है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंगा में मृत मिली डॉल्फिन मछली

- करीब 10 फीट लंबी और 350 किलो वजनी डाल्फिन उतराती मिली
- वन विभाग ने शव कब्जे में लिया, पोस्टमार्टम से खुलेगा मौत का राज

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। जाजमऊ थाना क्षेत्र में शुक्रवार देर शाम गंगा पुल के नीचे एक मृत डाल्फिन मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई।सूचना मिलते ही जाजमऊ पुलिस मौके पर पहुंची और नाविकों की मदद से डाल्फिन के शव को गंगा से बाहर निकलवाया। बताया जा रहा है कि डाल्फिन की लंबाई करीब 10 फीट और वजन लगभग साढ़े तीन सौ किलो था।थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह ने बताया कि शाम करीब आठ बजे सूचना मिली थी कि गंगा पुल के नीचे एक बड़ी मछली मृत अवस्था में उतराती हुई दिखाई दे रही है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे बाहर निकलवाया और तत्काल वन विभाग को सूचना दी। इसके बाद पहुंची वन विभाग की टीम ने शव को अपने कब्जे में ले लिया।प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि मृत जीव गंगा की संरक्षित प्रजाति डाल्फिन है। वन विभाग के रेंजर राकेश पांडेय को शव सुपुर्द किया गया है। अधिकारियों के अनुसार शव दो से तीन दिन पुराना प्रतीत हो रहा है। डाल्फिन की मौत के वास्तविक कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल सकेगा, हालांकि गंगा में बढ़ते प्रदूषण को संभावित कारण माना जा रहा है।

चकबंदी रैंकिंग में कानपुर नगर को प्रदेश में दूसरा स्थान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» प्रदेश में पहला स्थान भदोही को मिला है, जबकि औरैया तीसरे, कानपुर देहात चौथे एवं बांदा पांचवें स्थान पर रहे

कानपुर। चकबंदी कार्यों में कानपुर नगर ने प्रदेश स्तर पर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। चकबंदी आयुक्त कार्यालय, उत्तर प्रदेश द्वारा वर्ष 2025 की जारी रैंकिंग में जनपद कानपुर नगर को प्रदेश में दूसरा स्थान प्राप्त हुआ है। रैंकिंग निर्धारण में ग्रामों की धारा 10, 23, 24 एवं 52 के अंतर्गत प्रगति का औसत प्रतिशत, वादों के निस्तारण का औसत प्रतिशत तथा शिकायतों के निस्तारण से संतुष्ट खातेदारों का प्रतिशत आधार बनाया गया। प्रदेश में पहला स्थान भदोही को मिला है, जबकि औरैया तीसरे, कानपुर देहात चौथे एवं बांदा पांचवें स्थान पर रहे। भदोही को 84.23 प्रतिशत, कानपुर नगर को 83.53 प्रतिशत, औरैया को 82.33 प्रतिशत, कानपुर देहात को 81.54 प्रतिशत तथा बांदा को 81.05 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद कानपुर नगर के कुल 42 ग्राम चकबंदी प्रक्रिया के अंतर्गत रहे। इनमें से 2 ग्रामों में धारा 52 की कार्यवाही पूर्ण कर ली गई है, जिससे इन ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया समाप्त हो चुकी है। शेष 40 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया प्रगति पर है।चकबंदी प्रक्रिया के तहत कृषकों की पृथक-पृथक भूमियों को एकत्र कर उन्हें 1, 2 अथवा 3 चक प्रदान किए जाते हैं। प्रत्येक चक में सिंचाई हेतु नालियां तथा आवागमन के लिए चकमार्ग की सुविधा दी जाती है। गांवों में चौड़े सेक्टर मार्ग सुनिश्चित किए जाते हैं। इसके साथ ही आबादी विस्तार, खेल मैदान, प्राथमिक पाठशाला, जल निकासी, पार्क, आंगनबाड़ी केंद्र सहित विभिन्न सार्वजनिक उपयोगों के लिए भूमि सुरक्षित की जाती है। यह भूमि कृषकों से सामान्यतः लगभग 5 प्रतिशत कटौती के आधार पर प्राप्त की जाती है।

चकबंदी के दौरान खातेदारों के खातों का विभाजन, विरासत एवं बैनामों का दाखिल-खारिज जैसे कार्य गांव में ही किए जाते हैं।जनपद कानपुर नगर में कुल 1113 राजस्व ग्राम हैं। इनमें तहसील बिल्हौर के 411, तहसील सदर के 269, तहसील नरवल के 207 तथा तहसील घाटमपुर के 236 ग्राम शामिल हैं। इन 1113 ग्रामों में से 972 ग्रामों में चकबंदी प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि चकबंदी किसानों के हितों से सीधे जुड़ी प्रक्रिया है और इसका समयबद्ध एवं पारदर्शी क्रियान्वयन प्रशासन की प्राथमिकता है। निरंतर निगरानी और नियमित समीक्षा से कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित हुई है। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी सिविल सप्लाई आशुतोष कुमार दुबे एवं एसओसी मोहम्मद असलम सहित चकबंदी विभाग की पूरी टीम को बधाई देते हुए कार्यों की गति बनाए रखने के निर्देश दिए।

पुखरायां में अतिक्रमण पर गरजा प्रशासन का बुलडोजर

नाली से नाली तक का अतिक्रमण में चला बुलडोजर, एक हफ्ते तक चलेगा अभियान

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर देहात। नगर पालिका पुखरायां में कस्बे में शुक्रवार को प्रशासन का कड़ा रुख देखने को मिला। बाजार में फैले अवैध अतिक्रमण को हटाने के लिए उपजिलाधिकारी और नगर पालिका प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ संयुक्त अभियान चलाया। इस दौरान सड़क के दोनों तरफ फुटपाथ और नाली के ऊपर किए गए अवैध कब्जों को बुलडोजर की मदद से साफ कराया गया।

अतिक्रमण हटाओ दस्ता और भारी पुलिस बल को देख बाजार में दुकानदारों के बीच अफरा-तफरी मच गई। कई दुकानदारों ने नाली के ऊपर पक्के निर्माण और छज्जों के आगे अस्थाई शेड डाल रखे थे, जिससे सड़क संकरी हो गई थी। प्रशासन की सख्ती को देखते हुए कई दुकानदार स्वयं ही अपने अवैध शेड से ढहा दिया। कार्यवाही के दौरान अधिकारियों ने सभी दुकानदारों को सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में नाली के बाहर कोई भी सामान या अस्थाई निर्माण न किया जाए।

उपजिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि दोबारा अतिक्रमण पाया गया, तो संबंधित दुकानदार के विरुद्ध और भी कठोर दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी। इस अभियान से कस्बे की सड़कों पर यातायात सुगम होने की उम्मीद है। इस मौके पर भोगनीपुर तहसील के उपजिलाधिकारी देवेंद्र सिंह,सीओ संजय वर्मा, अधिशासी अधिकारी अजय कुमार,कोतवाल अमरेंद्र बहादुर सिंह, सहित, नगर पालिका के कर्मचारीगण मौजूद रहे।

शादी का झांसा देकर दो साल तक किया शारीरिक शोषण

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

» एसपी कार्यालय पहुंचकर लगाई फरियाद, पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज

कानपुर देहात। शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किए जाने का मामला सामने आने के बाद अब पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़िता ने परिजनों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायती प्रार्थना पत्र दिया था, जिस पर संज्ञान लेते हुए संबंधित थाना पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया है।पीड़िता का आरोप है

कि रूरा थाना क्षेत्र के सुजनीपुर निवासी विष्णु ने लगभग दो वर्षों तक शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। जब परिजनों ने युवक से शादी की बात की तो उसने साफ इनकार कर दिया और बताया कि उसकी शादी इटावा जनपद के इटैली अछल्दा निवासी पूनम से तय हो चुकी है,

जिसकी शादी से पूर्व की सभी रस्में पूरी हो चुकी हैं। इस जानकारी के बाद पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर न्याय की गुहार लगाई थी।

जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सम्पादकीय

मौतें सबसे स्वच्छ शहर पर कलंक

यह शर्मनाक है कि जिस शहर को पिछले सात सालों से देश के सबसे स्वच्छ शहर का तमगा दिया जा रहा था, वहां पेयजल में सीवर का पानी मिल जाने से एक दर्जन से अधिक लोगों की मौत हो जाए। बताया जाता है कि इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति करने वाली पाइपलाइन में सीवर के पानी के रिसाव से हजारों लोगों का जीवन खतरे में पड़ गया। घटनाक्रम के बाद सौ के करीब लोग अस्पताल में भर्ती हुए और सैकड़ों लोग दूषित पेयजल के उपयोग से बीमार हैं। वैसे भी किसी सभ्य समाज में व्यक्ति आत्मग्लानि से यह सुनकर बीमार हो जाएगा कि जिस पानी को उसने उपयोग किया, उसमें सीवर का गंदा पानी मिला था। निस्संदेह, यह गंभीर प्रशासनिक लापरवाही ही है, जिसके चलते हजारों लोगों का जीवन संकट में पड़ गया। नगर निगम ही नहीं, इस महकमे से जुड़े सभी अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। दरअसल, इंदौर लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहर का दर्जा हासिल करता रहा है तो इस दुर्घटना ने पूरे प्रकरण को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मीडिया की सुर्खी बना दिया। इस दुखद स्थिति के चलते मानवाधिकार आयोग और मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने के लिये बाध्य होना पड़ा। विडंबना यह है कि नागरिकों ने पहले ही दूषित पेयजल आपूर्ति की शिकायत की थी, लेकिन नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिये जवाबदेह अधिकारी तब हरकत में आए, जब कई लोगों की जान जा चुकी थी। यहां तक कि इस निर्वाचन क्षेत्र के प्रतिनिधि और राज्य के नगरीय विकास मंत्री, जिनके अधीन पेयजल आपूर्ति का महकमा आता है, उनकी संवेदनहीन बयानबाजी ने लोगों का आक्रोश बढ़ाया है। हालांकि, तल्ख आलोचना के बाद मंत्री ने खेद जताया है। यहां तक कि इस घटना के बाद मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी वरिष्ठ भाजपा नेत्री उमा भारती ने भी दोषियों से प्रायश्चित करने व दंड देने की मांग की है। लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ छोटे स्तर के अधिकारियों के निलंबन और स्थानांतरण से इन मौतों के लिये जिम्मेदार लोगों का प्रायश्चित हो पाएगा?लेकिन विडंबना है कि यह समस्या केवल इंदौर तक ही सीमित नहीं है, बल्कि देश के छोटे-बड़े शहरों में गाहे-बगाहे दूषित जल आपूर्ति के मामले प्रकाश में आते रहे हैं। दुर्घटना के बाद जांच समितियों का गठन, मुआवजे की घोषणा और कनिष्ठ अधिकारियों का निलंबन मामले में लीपापोती का उपक्रम बन चुका है। नववर्ष की पूर्व संध्या पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'सुधार, क्रियान्वयन और रूपांतरण' के मंत्र पर जोर दिया था। तब उन्होंने प्रक्रियाओं को सरल बनाने और जीवनयापन को सुगम बनाने के लिये प्रणालियों को अधिक अनुकूल बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया था।आवश्यकताओं से वंचित रखा जाएगा तो जीवनयापन को सुगम कैसे बनाया जा सकता है? मध्य प्रदेश की दोहरे इंजन वाली सरकार इस मोर्चे पर पूरी तरह से विफल रही है। इंदौर की त्रासदी दर्शाती है कि शहरी बुनियादी ढांचे के खराब रखरखाव के कारण इस अधिकार का उल्लंघन कितनी आसानी से हो सकता है। निष्कर्ष यह भी है कि स्वच्छता रैंकिंग, स्मार्ट सिटी के दावे और शासन संबंधी नारे व्यवस्थागत नाकामी को छिपा नहीं सकते। इंदौर की घटना के बाद देश के सभी राज्यों में संबंधित विभागों व स्थानीय निकायों को पेयजल से जुड़ी व्यवस्था का ध्यान रखना होगा।

आस्था कोई भी हो मगर इंसान अच्छा हो

यशवंत सचदेव

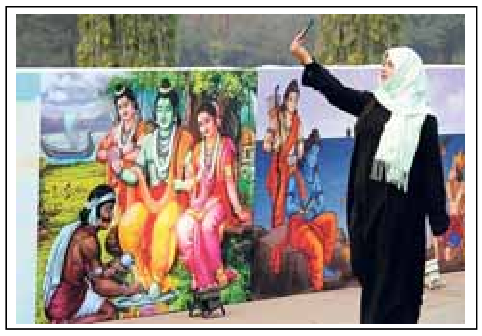

यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने...यदि हिंदू हूं तो अच्छा हिंदू बनूं, मुसलमान हूं तो बेहतर मुसलमान बनूं, ईसाई हूं तो अच्छा ईसाई बनूं। और यह अच्छा होने का मतलब है अच्छा इंसान होना। अच्छा इंसान यानी वह जो अपनी आस्था में पूरा विश्वास रखने के बावजूद दूसरे की आस्था का भी सम्मान करें। लगभग दो दशक पुरानी बात होगी। हमारे समय के एक महत्वपूर्ण संगीतकार खैयाम साहब के साथ कुछ समय बिताने का अवसर मिला था। दूरदर्शन पर एक कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग के बाद लौट रहे थे हम। उस कार्यक्रम में जो वे नहीं कह पाये थे, वही सब बता रहे थे वे। मेरी भूमिका तो सिर्फ श्रोता की थी। अचानक वह बोलते-बोलते रुक गये। कार की खिड़की से दायीं ओर देख रहे थे वे। उनके दोनों हाथ जुड़ गये थे। सिर झुक गया था उनका। मैंने देखा हमारी कार मुंबई के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजर रही थी। 'आपके धर्म में तो मूर्तिपूजा मना है,' मैंने अनायास ही जैसे उनसे पूछ लिया। वे मुस्कुराये, 'आदत है,' उन्होंने कहा। और फिर इसके बाद हम हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर बात करने लग गये थे।

आज जब मैं यह लिख रहा हूं, अचानक मुझे खैयाम की यह बात याद आ गयी। इसके साथ ही एक और बात भी याद आ रही है। मेरी बेटी कान्वेंट स्कूल में पढ़ी हुई है। स्कूल छोड़े उसे दशकों बीत गये। पर अब भी जब वह अपने बचपन के स्कूल के सामने से गुजरती है तो अनायास उसके हाथ 'क्रॉस' बनाने की मुद्रा में हरकत करने लगते हैं। और अपनी बात करूङ्क मंदिर, मस्जिद, चर्च या गुरुद्वारे के सामने से गुजरते हुए मेरा सर भी, जैसे अपने आप झुक जाता है। और मैं यह भी जानता हूं कि पूजाग?हों के प्रति यह रवैया सिर्फ खैयाम, मेरी बेटी, या मेरा ही नहीं हैङ्क हम जैसे न जाने कितने हैं जो ऐसा करते हैं। और यह सब अनायास हो जाता है। लेकिन कैसे?इस सवाल का जवाब तो यही है कि ऐसा करने के लिए किसी ने हमें कहा नहीं। मैंने अपनी बेटी से यह कभी नहीं कहा कि वह ऐसा किया करे। आप चाहें तो इसे संस्कारों का परिणाम कह सकते हैं। यह तो संभव है कि मैंने बेटी से कभी यह कहा हो कि सब धर्म समान होते हैं, पर मुझे याद नहीं पड़ता मैंने कभी उसे समान मानने के लिए भी कहा हो। कम से कम मेरी तरफ से ऐसा कोई दबाव बच्चों पर नहीं डाला गया। मेरे माता-पिता ने भी कभी ऐसा कोई दबाव हम भाई-बहनों पर नहीं डाला। उस दिन सिद्धिविनायक मंदिर के सामने से गुजरते हुए खैयाम साहब का अनजाने में ही सिर झुकाना भी किसी दबाव का परिणाम नहीं था। उन्होंने बताया था कि वे न जाने कब से ऐसा करते आ रहे हैं, और यह भी बताया था उन्होंने कि 'पूजाग?ह के सामने सिर झुकाता हूं तो ऐसा लगता है जैसे कोई आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर धरा गया है।' सच है, आशीर्वाद का यह अहसास मंदिर, मस्जिद, चर्च, या गुरुद्वारा, सब देते हैं। और सब धर्मों का आदर करना हमारी संस्कृति का हिस्सा है। सर्व धर्म समभाव की संस्कृति है हमारी। हमारा धर्म, यानी हिंदू धर्म, हमें यह सिखाता है कि चाहे ईश्वर कहें या खुदा, गॉड कहें या एक ओंकार, अलग-अलग रास्ते हो सकते हैं, पर पहुंचते सभी एक ही जगह हैङ्कपहुंचाते सभी एक ही जगह हैं हमें यह अलग-अलग रास्ते! जैन धर्म का एक सिद्धांत हैङ्क अनेकांत वाद। यह विचार हमें समझाता है कि मैं सही हूं, पर तुम भी सही हो सकते हो। इतनी-सी बात यदि हम समझ लेते हैं तो फिर कोई विवाद बचता ही नहीं है। बस इतनी-सी बात समझने की आवश्यकता है कि हमारा अलग-अलग धर्म का होना एक संयोग मात्र है। मैं किसी एक धर्म में विश्वास करने वाले परिवार में पैदा हुआ इसमें मेरा कोई योगदान नहीं है। मेरे माता-पिता हिंदू थे, इसलिए मैं भी हिंदू हो गया, वे मुसलमान होते तो मैं आरती की जगह नमाज़ पढ़ रहा होता। इस संदर्भ में मेरी कोई भूमिका हो सकती है ।

नयी शिक्षा नीति के समक्ष मौजूद कानूनी बाधाएं

एनईपी का क्रियान्वयन

डा0 सुधीर कुमार

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति युवा पीढ़ी की तकदीर बदलने की दिशा में बड़ा कदम है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में परिवर्तन किए। यह प्रमाण है कि अकादमिक स्वतंत्रता से सरकारी संस्थान भी नवाचार के केंद्र बन सकते हैं। बशर्ते कानूनी बाधाओं को दूर किया जाये।भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 केवल एक सरकारी दस्तावेज़ नहीं, बल्कि यह 21वीं सदी के बदलते वैश्विक परिदृश्य में भारत की नई आकांक्षाओं का जीवंत प्रतिबिंब है। 34 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आई यह नीति शिक्षा जगत में उस 'पैराडाइम शिफ्ट' की वकालत करती है, जिसका इंतज़ार भारत का युवा और बौद्धिक वर्ग दशकों से कर रहा था। यह नीति जहां एक ओर लचीलेपन, कौशल विकास और बहुविषयक दृष्टिकोण के माध्यम से भारत को 'विश्व गुरु' बनाने का स्वप्न देखती है, वहीं इसे जमीनी स्तर पर लागू करने की राह में कई सूक्ष्म प्रशासनिक और कानूनी जटिलताएं भी मौजूद हैं।

इस नीति की वास्तविक सफलता और विफलता के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी इसका 'कानूनी कार्यान्वयन' है।

इस वैचारिक यात्रा में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों ने प्रेरणादायक पहल की है।जब देश के कई राज्य और प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय इस नीति के जटिल नियमों और बदलावों को समझने की जद्दोजहद में उलझे थे, तब कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने दूरदर्शिता का परिचय दिया।

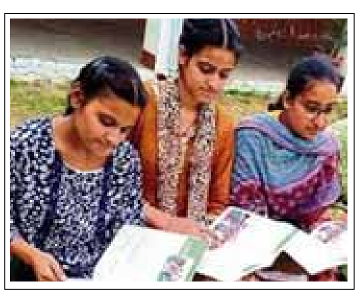

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय देश के उन अग्रणी संस्थानों में शामिल हुआ, जिसने एनईपी के प्रावधानों को सबसे पहले अपनाया व अपने शैक्षणिक ढांचे और पाठ्यक्रम में आमूलचूल परिवर्तन किए। परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय को एनईपी के सफल क्रियान्वयन के लिए 'प्लेटिनम अवार्ड' से नवाजा गया।शिक्षा जगत में प्रायः एनईपी के शैक्षणिक लाभों जैसे रटने की प्रवृत्ति से मुक्ति और कौशल आधारित शिक्षा - पर व्यापक चर्चा होती है, लेकिन इसके 'कानूनी पेचों' पर खामोशी बरती जाती है। इन 'साइलेंट' समस्याओं को सुलझाए बिना नीति का पूर्ण लाभ मिलना दुष्कर है। सबसे बड़ी चुनौती 'संवैधानिक विरोधाभास' की है। संविधान के अनुसार शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है। जब केंद्र सरकार एक राष्ट्रीय नीति लागू करती है, तो राज्यों के अपने विश्वविद्यालय अधिनियमों के साथ उसका स्वाभाविक टकराव होता है। मसलन, एनईपी 'मल्टीपल एंट्री और एग्जिट' की सुविधा देती है। कानूनन, यदि एक छात्र एक राज्य के विश्वविद्यालय से एक वर्ष बाद सर्टिफिकेट लेकर निकलता है और दूसरे राज्य के विश्वविद्यालय में डिप्लोमा में प्रवेश चाहता है, तो दोनों राज्यों के नियमों में भिन्नता छात्र का भविष्य संकट में डाल सकती है। इस 'क्रेडिट ट्रांसफर' की कोई ठोस कानूनी गारंटी स्पष्ट नहीं है।दूसरा महत्वपूर्ण और मौन मुद्दा 'स्वायत्तता बनाम नियंत्रण' का है। नीति कॉलेजों को ग्रेडेड स्वायत्तता देने का प्रस्ताव करती है, लेकिन प्रस्तावित भारतीय उच्च शिक्षा आयोग के तहत चार अलग-अलग वर्टिकल - नियमन, मान्यता, वित्त पोषण और मानक निर्धारण - कैसे एक-दूसरे के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप किए बिना काम करेंगे, यह एक कानूनी भूलभुलैया बनी हुई है। यहां शक्ति के केंद्रीकरण का अंदेशा भी रहता है, जो लंबी कानूनी लड़ाइयों और मुकदमों का कारण बन सकता है। इसके अतिरिक्त, डिजिटल संप्रभुता और डेटा सुरक्षा एक गंभीर पहलू है जिस पर पर्याप्त बहस की आवश्यकता है।

लॉकर के माध्यम से करोड़ों छात्रों का संवेदनशील शैक्षणिक इतिहास ऑनलाइन उपलब्ध होगा। ऐसे में डेटा हैक होने या दुरुपयोग होने की स्थिति में कानूनी जवाबदेही किसकी होगी, यह अपरिभाषित है।विदेशी विश्वविद्यालयों के भारत में कैंपस खोलने की बात एक बड़ा कदम है, लेकिन यहां भी 'भारतीय ट्रस्ट कानून' आड़े आता है।

फॉल्ट ठीक कर रहे युवक की मौत दो संविदा कर्मियों पर एफआईआर

गिरफ्तारी करने को पुलिस ने दी दबिश, आरोपी फरार, थानाध्यक्ष ने बिजली विभाग के जेई से की पूछताछ

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर थाना क्षेत्र के मुंहपोछा गांव में बिजली लाइन का फॉल्ट ठीक करने के दौरान करंट की चपेट में आकर एक युवक की मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों के हंगामे और तहरीर के आधार पर पुलिस ने दो संविदा बिजली कर्मियों के खिलाफ गंभीर धाराओं मे मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन दोनों फरार बताए जा रहे हैं। शिवराजपुर इंस्पेक्टर वरुण शर्मा के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ चल रहे हैं। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार शाम काकूपुर हलबल गांव निवासी सूरज (27) को दो संविदा बिजली कर्मी फॉल्ट ठीक कराने के लिए मुंहपोछा गांव ले गए थे। आरोप है कि बिना किसी सुरक्षा उपकरण के सूरज को खंभे पर चढ़ा दिया गया। इसी दौरान अचानक लाइन में करंट आ गया, जिससे वह बुरी तरह झुलस गया। ग्रामीणों की मदद से उसे शिवराजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मौत की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण सीएचसी पहुंच गए और लापरवाही का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। परिजनों का कहना है कि हादसे के बाद संविदा कर्मी दीपू और आकाश उर्फ धर्मेंद्र घायल को अस्पताल ले जाने के बजाय मौके से फरार हो गए। आरोप लगाया गया कि यदि समय रहते उपचार कराया जाता, तो सूरज की जान बच सकती थी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उधर थोड़ी देर बाद तहसीलदार अनुभव चंद्र राजेश कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और हर संभव मदद देने का भरोसा दिलाया। मृतक के पिता ओमप्रकाश की तहरीर पर पुलिस ने घनश्यामपुर गांव निवासी दीपू तथा चौबेपुर थाना क्षेत्र के आकाश उर्फ धर्मेंद्र के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इंस्पेक्टर वरुण शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर बीएनएस की धारा 106(1) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस टीम उनकी तलाश में लगातार दबिश दे रही है।

पुलिस ने जेई से की पूछताछ

- मामले की जांच के लिए पुलिस ने बिजली विभाग के जेई विमलेश दुबे से भी पूछताछ की है। पूछताछ में जेई ने बताया कि दीपू और आकाश विभाग में संविदा कर्मी के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को आश्वासन दिया है कि आरोपियों की लोकेशन मिलते ही उन्हें पुलिस के सुपुर्द किया जाएगा।

पत्नी व तीन बच्चों का कैसे होगा गुजारा

- फाल्ट ठीक के के दौरान करंट की चपेट में आकर हुई सूरज की मौत ने एक पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया है। मेहनत कर भरण-पोषण करने वाले सूरज के चले जाने से पत्नी और तीन मासूम बच्चों के सामने जीवनयापन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। हादसे के बाद रिंकी पर तीनों बच्चों की पूरी जिम्मेदारी आ गई है।अब परिवार के सामने रोजी-रोटी, बच्चों की पढ़ाई और परवरिश को लेकर चिंता गहराने लगी है। मृतक के छोटे भाई अंकित ने कहा कि प्रशासन से आर्थिक सहायता और मुआवजा दिलाए जाने की मांग करेंगे, ताकि परिवार को इस मुश्किल समय में कुछ सहारा मिल सके।

मकनपुर में शान-ओ-शौकत से निकला मौला अली का जुलूस

मकनपुर/बिल्हौर(कानपुर)। इस्लाम धर्म के चौथे खलीफा और पहले इमाम हजरत मौला अली की यौमे पैदाइश के अवसर पर मकनपुर कस्बे में शान-ओ-शौकत के साथ जुलूस निकाला गया। जुलूस में हजारों की संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए और या अली के नारों से पूरा कस्बा गूंज उठा।

जुलूस की शुरुआत चौबियाई चौक से हुई, जो कस्बे के विभिन्न मार्गों से होता हुआ जिंदा शाह मदार की दरगाह परिसर पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में शामिल अधिवक्ता कामियाब हुसैन जाफरी ने बताया कि इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार रजब माह की 13 तारीख को हजरत अली का जन्म हुआ था। हजरत अली का पूरा नाम अली इब्न अबू तालिब है। वे पैगंबर-ए-इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के दामाद और चचेरे भाई थे। दरगाह परिसर में जुलूस में शामिल लोगों का अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत किया गया तथा मिष्ठान वितरित किया गया।

इस मौके पर ग्राम प्रधान मजाहिर हुसैन जाफरी, हसम अब्बास नकवी, शादान शिकोहा, आदिल हुसैन, वासिफ जाफरी, अरफात जाफरी, फराज हुसैन, शोएब गाजी सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद मौजूद रहे।

⇨ **जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद**

जगह-जगह लगा लंगर,अकीदतमंदों ने ग्रहण किया प्रसाद

- मौला अली की यौमे पैदाइश के मौके पर निकाले गए जुलूस के दौरान कस्बे में जगह-जगह लंगर की व्यवस्था की गई। जुलूस मार्ग पर सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से अकीदतमंदों के लिए भोजन व प्रसाद वितरित किया गया। लंगर में सभी धर्मों और समुदायों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजन को शांतिपूर्ण और आपसी सौहार्द के माहौल में संपन्न कराया गया।

जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। अधिकारियों ने लगातार निगरानी रखी और यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखा।

नहीं रहेगा जर्जर पुल, नून नदी पर नया आरसीसी सेतु मंजूर

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। शिवराजपुर ब्लॉक के भैसऊ और जगदीशपुर के बीच नून नदी पर बने सालों पुराने पुल की बदहाली अब क्षेत्र के लोगों के लिए चिंता का विषय नहीं रहेगी। लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ा यह पुल ग्रामीणों की रोजमर्रा की जिंदगी में बड़े संकट का कारण बन रहा था। अब नए आरसीसी लघु सेतु के निर्माण की मंजूरी के साथ लोगों को सुरक्षित आवागमन का भरोसा मिलने लगा है।

ग्रामीण बताते हैं कि पुराने पुल पर केवल पैदल यात्री और छोटे वाहन ही जोखिम उठाकर गुजर पाते थे। भारी वाहनों का मार्ग बंद होने के कारण किसानों को खेतों तक पहुंचने के लिए 10 किलोमीटर तक का चक्कर लगाना पड़ता था। बरसात के मौसम में नदी का पानी पुल के ऊपर से बहने लगता था, जिससे स्कूली बच्चों और आम ग्रामीणों की सुरक्षा खतरे में रहती थी।क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर व सांसद अशोक कुमार रावत ने ग्रामीणों की लगातार मांग पर ध्यान देते हुए इस मार्ग पर नए पुल के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत कराया है। निर्माण के लिए लगभग 85 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई है, जबकि परियोजना की कुल अनुमानित लागत 1 करोड़ 69 लाख रुपये है। विधायक ने बताया कि पुल के बन जाने से न केवल बड़े वाहन और सामान आसानी से गुजर सकेंगे, बल्कि किसानों, स्कूल जाने वाले बच्चों और आम लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। पुराने पुल की वजह से कई बार हादसे हो चुके है, लेकिन नए सेतु से यह जोखिम पूरी तरह खत्म हो जाएगा। भैसऊ और जगदीशपुर के ग्रामीण इस फैसले से बेहद खुश हैं।ग्रामीणों का कहना है कि पुल सिर्फ एक निर्माण नहीं, बल्कि उनकी सुरक्षा और जीवन की सुविधा का प्रतीक है। जल्द ही निर्माण शुरू होने की उम्मीद है और यह मार्ग क्षेत्र के विकास और लोगों की जीवनशैली में बदलाव लाने वाला साबित होगा।

⇨ **क्षेत्रीय विधायक और सांसद के प्रयास रंग लाए, पैदल यात्री और छोटे वाहन जोखिम उठाकर गुजरते**

1. 69 करोड़ रुपये परियोजना की कुल अनुमानित लागत

85 लाख रुपये की राशि अभी शासन से स्वीकृत हुई है

स्मारकों के नाम पर चौदह सौ करोड़ रुपये के बहुचर्चित घोटाले की फाइल खुली

11 साल पहले स्मारकों के निर्माण के नाम पर कई इंजीनियर और अफसरो ने किया था गोलमाल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। लखनऊ सहित उत्तर प्रदेश के कई जिलों में स्मारकों के निर्माण के नाम पर हुए लगभग चौदह सौ करोड़ रुपये के बहुचर्चित घोटाले की जांच ग्यारह वर्ष बाद तेज हो गई है। वर्ष दो हजार चौदह में दर्ज सतर्कता विभाग की प्रथम सूचना रिपोर्ट के आधार पर चल रही जांच में अब ठोस और निर्णायक कार्रवाई के संकेत मिलने लगे हैं।

सूत्रों के अनुसार, लखनऊ विकास प्राधिकरण में तैनात रहे तत्कालीन अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता की भूमिका जांच में संदिग्ध पाई गई है। जांच एजेंसियों ने इनके खिलाफ सीधी कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में इस मामले में बड़ी कानूनी कार्रवाई सामने आ सकती है।

जांच के दौरान यह तथ्य उजागर हुए हैं कि स्मारकों के निर्माण कार्यों में नियमों और मानकों को खुलेआम दरकिनार किया गया। टेंडर प्रक्रिया में मनमानी, निर्माण कार्य की गुणवत्ता में गंभीर खामियां और भुगतान में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। सरकारी धन के दुरुपयोग के लिए कुछ अधिकारियों और ठेकेदारों की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है।

लंबे समय तक यह मामला फाइलों में दबा रहा, लेकिन अब जांच एजेंसियां पुराने दस्तावेजों और तकनीकी रिपोर्टों की दोबारा गहन समीक्षा कर रही हैं।

सूत्रों का कहना है कि साक्ष्य मजबूत होने के बाद आरोप पत्र दाखिल किया जा सकता है, जिससे इस घोटाले में शामिल रहे अधिकारियों की मुश्किलें और बढ़ना तय मानी जा रही हैं।

यह मामला एक बार फिर सरकारी महकमों में फैले भ्रष्टाचार और जवाबदेही की कमी को उजागर करता है, जहां जनता के पैसे से बने स्मारकों के नाम पर भारी लूट की गई और वर्षों तक कार्रवाई से बचते रहे।

एसपी डॉ यशवीर सिंह की पदोन्नति पर डीजी सुजीत पाण्डेय ने लगाया कॉलर बैंड

पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह को सेलेक्शन ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

रायबरेली। उत्तर प्रदेश शासन गृह विभाग पुलिस सेवाएं द्वारा निर्गत आदेश के अनुपालन में वर्ष दो हजार तेरह बैच के ईमानदार, तेजतर्रार और न्यायप्रिय आईपीएस अधिकारी तथा जिले के जनप्रिय पुलिस अधीक्षक डॉ यशवीर सिंह को सेलेक्शन ग्रेड में पदोन्नति प्रदान की गई। इस अवसर पर लखनऊ जोनल कार्यालय में एक गरिमामय एवं भव्य समारोह का आयोजन किया गया।समारोह की अध्यक्षता अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन द्वारा की गई। पदोन्नति आदेश के क्रम में डीजी सुजीत पाण्डेय ने शुक्रवार को डॉ यशवीर सिंह के कंधों पर अतिरिक्त स्टार एवं कॉलर बैंड लगाकर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों ने कहा कि डॉ यशवीर सिंह ने अपने कार्यकाल में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने, अपराध नियंत्रण, जनता से संवाद तथा पुलिस प्रशासन में अनुशासन और पारदर्शिता को प्राथमिकता दी। उनके नेतृत्व में रायबरेली पुलिस ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं, जो उनकी प्रशासनिक दक्षता और दूरदर्शी सोच को दर्शाती हैं।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक सुलतानपुर कुँवर अनुपम सिंह सहित लखनऊ जोन पुलिस कार्यालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विभागीय अधिकारी और कर्मचारीगण विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी ने डॉ यशवीर सिंह के कुशल नेतृत्व, अनुशासित कार्यशैली और कर्तव्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।समारोह का वातावरण सौहार्दपूर्ण और प्रेरणादायी रहा, जहां पदोन्नति को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि पूरे पुलिस बल के लिए गौरव का विषय बताया गया।

विधानसभा चुनाव को देखते हुए भारतीय संयुक्त पार्टी सक्रिय

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। भारतीय संयुक्त पार्टी पुनः सक्रिय हो गई है। भारतीय संयुक्त पार्टी को दो वर्ष के अंतराल के बाद एक बार फिर सक्रिय कर दिया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवीनद्र नारायण सिंह उर्फ काशी सिंह के नेतृत्व में संगठन को दोबारा मजबूती देने की पहल की गई है।

इस क्रम में राष्ट्रीय स्तर पर कई अहम नियुक्तियां की गई हैं। संजय श्रीवास्तव को वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, जगपाल भाटी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अजय दीप श्रीवास्तव को राष्ट्रीय महासचिव और डॉ. सिद्ध नाथ गुप्ता को राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव बनाया गया है। वहीं धीरेंद्र दुबे को राष्ट्रीय सचिव, अर्चना पुष्पाकार को राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मंच, धर्मेंद्र सौनकर को राष्ट्रीय अध्यक्ष एससी-एसटी प्रकोष्ठ, आकाश सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा मंच, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह को राष्ट्रीय प्रवक्ता और मोहित कौशिक को राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है।

पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर सक्रिय राजनीति में प्रभावी भूमिका निभाने की दिशा में यह कदम उठाया गया है।

पत्नी की मौत के 16 घंटे बाद पति की भी जिंदगी खत्म

एक साथ उठीं अर्थियां, ग्रामीण बोले मौत भी जुदा नहीं कर सकी

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कानपुर देहात जनपद के भोगनीपुर तहसील अंतर्गत ग्राम अरहरियामऊ में शनिवार को एक हृदय विदारक घटना सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र को शोक में डुबो दिया। यहां 85 वर्षीय पत्नी के निधन के मात्र 16 घंटे बाद 90 वर्षीय पति ने भी दुनिया को अलविदा कह दिया। इस मार्मिक घटना से गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है और हर आंख नम है।

जानकारी के अनुसार, रामश्री (85) बीते दो दिनों से अस्वस्थ चल रही थीं। शुक्रवार, 2 जनवरी 2026 को अपराह्न लगभग 3 बजे उनका निधन हो गया। उस समय उनके पति राम बाबू चौधरी गांव के काली माता मंदिर में चल रही भागवत कथा में शामिल होने गए थे। पत्नी के निधन की सूचना मिलते ही वे बदहवास अवस्था में घर लौटे ।पत्नी की मृत्यु के बाद राम बाबू चौधरी गहरे सदमे में थे। परिजनों के अनुसार वे बार-बार यही कहते रहे अब किसके लिए जिएं। शनिवार सुबह शौच के लिए निकले राम बाबू चौधरी अचानक जमीन पर गिर पड़े। परिजन तत्काल उन्हें मुंगीशापुर स्थित एक निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। एक ही घर से पति-पत्नी की अर्थियां उठने से पूरे अरहरियामऊ गांव में शोक की लहर दौड़ गई। ग्रामीणों का कहना है कि ऐसा लगता है मानो राम बाबू चौधरी अपनी जीवन संगिनी के बिना एक पल भी जी नहीं पाए। जिसने भी यह खबर सुनी, उसकी आंखें भर आईं।

तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई, एक की मौत,एक घायल

» नेशनल हाइवे पर रात करीब 11 बजे हुआ भीषण हादसा, घायल की हालत नाजुक

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई वहीं एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया ।सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा है । पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक रात करीब 11 बजे कानपुर की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार कार ट्रैक्टर एजेंसी के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में कार सवार 30 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई ।जबकि दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान रूरा थाना क्षेत्र के करीगांव निवासी 30 वर्षीय शिवम् के रूप में हुई है ।वह अपने साथी अजय कुमार 28 वर्ष के साथ देर रात कार से कानपुर से अपने गांव कारी लौट रहे थे। उनकी कार जैसे ही अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के दिल्ली नेशनल हाइवे पर सोनालिका ट्रैक्टर एजेंसी के पास पहुंची,वह अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई ।हादसे में शिवम् की मौके पर ही मौत हो गई जबकि अजय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल अजय कुमार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अकबरपुर में भर्ती कराया ।जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सुमित ने अजय कुमार की गंभीर हालत देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इंस्पेक्टर क्राइम जीतेंद्र सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है

विमला देवी लक्ष्मी शंकर विद्यालय में संस्थापिका की पुण्यतिथि श्रद्धा से मनाई गई

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। केथनवापुर स्थित विमला देवी लक्ष्मी शंकर विद्यालय में विद्यालय की संस्थापिका स्वर्गीय विमला देवी की पुण्य तिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डा प्रखर द्विवेदी ने कहा कि मां विमला देवी स्वयं अशिक्षित होने के बावजूद शिक्षा के महत्व को भलीभांति समझती थीं। इसी सोच के चलते उन्होंने अपने पति लक्ष्मी शंकर द्विवेदी को लगभग 34 वर्ष पूर्व विद्यालय की स्थापना के लिए प्रेरित किया। आज यह विद्यालय उत्तम शिक्षा और अच्छे संस्कार प्रदान करने के लिए जनपद में अपनी अलग पहचान बना चुका है ।विद्यालय के प्रधानाचार्य अनुपम द्विवेदी ने बताया कि मां विमला देवी अशिक्षित होने के साथ संतान न होने के कारण अक्सर विचलित रहती थीं, लेकिन उनकी सोच अत्यंत उच्च कोटि की थी। उन्होंने दुर्गम क्षेत्र केथनवापुर में विद्यालय खुलवाकर एक पुण्य कार्य किया, जिससे इस क्षेत्र के लाखों छात्र-छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिला। वे समाज के लिए एक आदर्श बनकर उभरी हैं, जिन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता ।पुण्य तिथि के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन किया गया तथा बच्चों को प्रसाद का वितरण भी किया गया इस मौके पर ध्रुवकांत, विजय बहादुर, रविंद्र दुबे, प्रवीण, अजीत, आर के तिवारी, रोहित, जया, वंदना, सुष्मिता एवं विद्या नारायण पांडे सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कर्ज के बोझ से टूटे पति ने की आत्महत्या

पत्नी द्वारा लिए गए लाखों के कर्ज का तगादा बन रहा था तनाव की वजह

कानपुर। कर्ज के बढ़ते बोझ से परेशान एक टाइल्स कारीगर ने आत्महत्या कर ली। चकेरी कैंट क्षेत्र के मैकूपुरवा निवासी 45 वर्षीय बाबूराम निषाद ने शुक्रवार दोपहर अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके की जांच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मृतक लगातार आर्थिक दबाव और कर्ज के तगादे से मानसिक रूप से टूट चुका था ।परिजनों के अनुसार बाबूराम की पत्नी अनीता बीते तीन वर्षों से अपने मायके चकेरी के घाऊखेड़ा में रह रही थी। इस दौरान उसने कई संस्थाओं और मोहल्ले के लोगों से लाखों रुपये का कर्ज ले रखा था। होटल और रेस्टोरेंट कारोबार में नुकसान का हवाला देकर लिए गए इस कर्ज का तगादा अक्सर बाबूराम से किया जाता था। भतीजे रवि निषाद ने बताया कि चाचा मेहनत मजदूरी कर उधार चुकाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन लगातार बढ़ते दबाव ने उन्हें अवसाद में धकेल दिया। थाना प्रभारी अरविंद राय के मुताबिक प्रथम दृष्टया मामला कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच हो रही है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 । **Email:** swarajindia2023@gmail.com । **Mob:** 7800009853, । **Website:** www.swarajindianews.com । (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

सेवानिवृत्त होने पर लेखपाल को दी यादगार विदाई

ढोल नगाड़ों के साथ घर तक छोड़ने गए साथी लेखपाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद तहसील सभागार में सेवानिवृत्त होने पर लेखपाल मुस्तफा हुसैन का विदाई समारोह आयोजित किया गया। अपनी सर्विस के कार्य अवधि पूर्ण कर चुके मुस्तफा हुसैन की विदाई समारोह में कई लोगों की आंखें भर आईं। इस दौरान तहसीलदार संतोष प्रताप सिंह ने बताया कि मुस्तफा हुसैन का कार्यकाल सराहनीय रहा। इसके साथ ही हमेशा सभी से आपसी सामंजस्य और समन्वय भी काबिले तारीफ रहा।

उन्होंने बताया कि ऐसा विदाई समारोह हमने पहली बार देखा। जहां जूनियर लेखपाल अपने सीनियर लेखपाल को विदाई देने के लिए जहां एक ओर उत्साहित थे तो वहीं दूसरी ओर मायूस भी थे। इस मौके पर प्रमुख रूप से नायब तहसीलदार हरिशंकर वर्मा, सपा नेता हाजी फैजान खान, लेखपाल योगेश कुमार, रावेन्द्र कुमार, उत्तम गौड़,महेंद्र पाल, ब्रह्मपाल, रामबाबू यादव, विजय प्रकाश त्रिपाठी,कृष्ण प्रताप सिंह, आर पी राजपूत, लाल मोहम्मद, संजीव दुबे, कोमल सिंह,भूपेंद्र सिंह, सौरभ कुमार, शिवेंद्र, कुमार गौरव,अधिवक्ता बलराम सिंह चौहान,लाल मोहम्मद, राजीव शुक्ला, शंकर सिंह, लेखपाल शालू सिंह भदौरिया, प्रिया गुप्ता , सुहैल अहमद,सिराज मंसूरी, रोहित खान, अन्नू गौर , हरगोविन्द सिंह आदि रहे।

आग से झुलसी 90 साल की बुजुर्ग के लिए जीवन रक्षक बनी 108 एम्बुलेंस सेवा

» हाजीपुर देवीपुर में तसले की आग की चपेट में आई थी बुजुर्ग महिला

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। थाना बरौर क्षेत्र अंतर्गत हाजीपुर देवीपुर गांव में शुक्रवार को 90 वर्षीय बुजुर्ग महिला जैवन घर के पास तसले में आग ताप रही थीं, तभी अचानक उनके कपड़ों ने आग पकड़ ली। इस हादसे में बुजुर्ग महिला का हाथ, मुंह और सिर के बाल बुरी तरह झुलस गए। घटना के बाद गांव में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही 108 एम्बुलेंस सेवा को सूचित किया गया। कॉल मिलते ही एम्बुलेंस तत्काल मौके पर पहुंची। एम्बुलेंस पर तैनात ईएमटी सतेंद्र कुमार ने बिना देरी किए झुलसी हुई महिला को प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद उसे सुरक्षित सीएचसी देवीपुर पहुंचाया गया । सीएचसी देवीपुर में तैनात डॉक्टर जया ने बुजुर्ग महिला की उम्र और हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया ।

ठंड से राहत के लिए करीब 300 लोगों को बांटे कंबल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कड़ाके की ठंड है ऐसे में तमाम जरूरतमंद है जो संसाधनों के अभाव में ठंड का सितम झेलते हैं। ऐसे लोगों के दुख दर्द को बांटने के लिए हमने क्षेत्र में जरूरतमंदों की सूची बनाई। जिसके बाद उन्हें कंबल वितरित किए।

क्षेत्र के बारनपुर कहिंजरी में समाजसेवी सानू सिंह गौर ने कंबल वितरण समारोह में करीब 300 लोगों को कंबल बाटें। करीब 3 वर्ष पहले सानू सिंह गौर की मां का रूरा में दुर्घटना में आकस्मिक निधन हो गया था। उनकी याद में उन्होंने कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया। उनके इस कार्य की लोगों ने सराहना की। इस मौके पर सेवानिवृत नायब तहसीलदार कृष्ण प्रताप सिंह, ऋषभ सिंह, रामलाल कुरील, मुंशीलाल कुरील, रूपरानी, हाशमी बेगम,राम सिंह,बउअन कश्यप सहित कई लोग मौजूद रहे।

हर व्यक्ति को जरूरतमंदों की मदद करनी ही चाहिए: कंचन मिश्रा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शीत लहर और कड़ाके की ठंड को देखते हुए सोसाइटी फॉर इक्विटेबल वॉलेंट्री एक्टिविटी सेवा समिति (पंजीकृत) की ओर से सराहनीय सेवा कार्य किया गया। संस्था द्वारा सड़क किनारे लोहा पीटकर जीवन यापन करने वाले लोगों, एक अनाथ बेटी तथा घरों में काम कर अपने परिवार का भरण-पोषण करने वाली जरूरतमंद महिलाओं को गर्म कंबल वितरित किए गए।

संस्था की संस्थापक एवं सचिव कंचन मिश्रा ने अपने पुत्र मयंक मिश्रा के साथ स्वयं जरूरतमंदों के पास पहुंचकर उनका हालचाल जाना और उन्हें गर्म कंबल ओढ़ाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और हर सक्षम व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने यह भी बताया कि पूरे शीतकाल में संस्था द्वारा जरूरतमंदों को लगातार कंबल वितरण किया जाएगा।

कंचन मिश्रा ने अरुण द्विवेदी (बब्बून जी) का आभार व्यक्त किया, जिन्होंने सेवा समिति को जरूरतमंदों के लिए कंबल दान किए। इस सेवा कार्य में मयंक मिश्रा, सुनील पांडेय, संध्या पाण्डेय, पप्पू जी तथा धीरू अवस्थी का सराहनीय सहयोग रहा।

स्थानीय लोगों ने संस्था के इस मानवीय प्रयास की प्रशंसा करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

सेना में भर्ती कराने के नाम पर ठग लिए लाखों रुपए

फर्जी अफसर बनकर युवाओं को फंसाने वाला गिरोह सक्रिय, चार पर एफआईआर

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जिले के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में सेना में भर्ती कराने के नाम पर 12 लाख रुपये की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़ित सूरज साहू की तहरीर पर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हैरानी की बात यह है कि इन आरोपियों पर पहले भी इसी तरह की ठगी का मामला दर्ज हो चुका है।

पीड़ित के अनुसार शेरवाघाट निवासी रोहित यादव ने उसे अपने बड़े भाई जनार्दन यादव से मिलवाया, जिसने खुद को सेना का अधिकारी बताया ।रोहित ने बताया कि दानापुर (बिहार) में सेना भर्ती चल रही है और जनार्दन यादव अपने साथियों संजय यादव और राहुल यादव (निवासी बलिया) के साथ मिलकर भर्ती करवा सकता है।

आरोपियों ने भर्ती के लिए 12 लाख रुपये की मांग की, जिसमें से 7 लाख रुपये अग्रिम के तौर पर ले लिए गए। इसके बाद सूरज के सभी शैक्षणिक व अन्य दस्तावेज जमा कराए गए और उसे दानापुर ले जाया गया, जहां एक कार्यालय में शारीरिक परीक्षण, मेडिकल जांच और लिखित परीक्षा कराई गई। बाद में उसे चयनित होने का झांसा भी दिया गया। लंबे समय तक नियुक्ति पत्र न मिलने पर जब सूरज ने पैसे वापस मांगे तो आरोप है कि रोहित यादव ने उसके साथ गाली-गलौज की और मारपीट पर आमादा हो गया। इसके बाद पीड़ित को ठगी का एहसास हुआ और उसने पुलिस की शरण ली ।उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी शेरवाघाट निवासी बलराम सिंह ने इन्हीं चारों आरोपियों के खिलाफ सेना भर्ती के नाम पर करीब 12 लाख रुपये की ठगी का मामला दर्ज कराया था, इसके बावजूद गिरोह सक्रिय रहा। गोसाईगंज थाना प्रभारी शारदेन्दु दुबे ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर चारों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सेना से संबंधित रिपोर्ट मांगी गई है, रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।यह मामला न सिर्फ युवाओं की मजबूरी और सपनों का सौदा उजागर करता है, बल्कि यह भी सवाल खड़ा करता है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद ऐसे ठग बेखौफ कैसे घूम रहे हैं।

पिता की पुण्यतिथि पर विधायक ने किया लोगों में कम्बल वितरण व भण्डारा

सेवा-संस्कार का संगम

»स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। संस्कार, सेवा और संवेदना की परंपरा को आत्मसात करते हुए विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने अपने पिता स्व. डॉ. कांति लाल गुप्ता की पुण्यतिथि के अवसर पर नया घाट स्थित सिचाई विभाग के गेस्ट हाउस में कम्बल वितरण व भण्डारे का आयोजन किया। सेवा कार्य के माध्यम से उन्होंने अपने पिता को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत स्व. डॉ. कांति लाल गुप्ता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करके की गई। इसके उपरांत विधायक ने जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित भण्डारे में बड़ी संख्या में लोगो ने प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि उनके पिता ने अपने पूरे जीवन में मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म माना। वही सेवा संस्कार उन्हें विरासत में मिले हैं, जिन्हें वे अपने सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन में निरंतर निभाने का प्रयास कर रहे हैं। गरीबों और वंचितों की सेवा को उन्होंने सदैव प्राथमिकता दी है और इसी संकल्प के साथ जनसेवा का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में 卐सर्वे भवन्तु सुखिनः卐 की कामना निहित है और रामनगरी अयोध्या इस भाव की जीवंत मिसाल है। गरीबों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए सक्षम और समर्थ व्यक्तियों को सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

मौत का क्लिनिक या प्रशासन की शह?

» सीज अस्पताल फिर खुला, दलित प्रसूता का बच्चा गर्भ में मरा

डॉक्टर का बड़ा दावा सीएमओ उठा ले गए सीसीटीवी-डीवीआर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। सोहावल-रौनाही थाना क्षेत्र के सोहावल चौराहे पर स्थित साहू मेडिकल सेंटर आज चिकित्सा सेवा नहीं, बल्कि सिस्टम की संवेदनहीनता और एक दलित परिवार की उजड़ी खुशियों का प्रतीक बन गया है। यहां एक दलित प्रसव पीड़िता के गर्भ में ही नवजात की मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना के बाद जो सच्चाई सामने आई, उसने स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि करीब तीन महीने पहले इसी अस्पताल को मानकों की अनदेखी पर प्रशासन द्वारा सीज किया गया था, लेकिन रहस्यमय तरीके से दोबारा संचालन की अनुमति दे दी गई। और उसी के बाद यह बड़ी त्रासदी घट गई। घटना के समय की सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने पर अस्पताल संचालक डॉ.

विपिन साहू ने जो दावा किया, वह और भी सनसनीखेज है। उनका कहना है कि तीन महीने पहले सीएमओ निरीक्षण में आए और अस्पताल का कैमरा व डीवीआर अपने साथ ले गए।

यदि यह दावा सही है तो सवाल उठता है क्या महीनों से अस्पताल बिना किसी निगरानी के चल रहा था? और अगर दावा गलत है, तो फिर सच छिपाने की यह कोशिश क्यों?अस्पताल के बाहर चल रहा साहू मेडिकल स्टोर भी नियमों का मजाक उड़ाता नजर आया। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के अनुसार जहां कम से कम 10 वर्ग मीटर जगह जरूरी है, वहां यह मानक खुलेआम कुचला गया। दवाओं के सुरक्षित भंडारण के लिए बड़े

आरोपी डॉक्टर बिपिन साहू

रेफ्रिजरेटर की जगह एक छोटा सा बाथरूम फ्रिज इस्तेमाल किया जा रहा था जो मरीजों की जान से सीधा खिलवाड़ है।

बोर्ड पर डॉक्टर, हकीकत में गायब

वैसे तो अस्पताल के बोर्ड पर कई डॉक्टरों के नाम और डिग्रियां दर्ज हैं, लेकिन मौके पर वे कभी दिखाई नहीं देते। हैरानी की बात यह भी है कि बोर्ड पर किसी महिला डॉक्टर का नाम तक दर्ज नहीं, फिर भी यहां महिलाओं का इलाज और प्रसव बेरोकटोक कराया जा रहा है। सवाल उठने पर जवाब मिला—बोर्ड पुराना है, पेंट होगा तो नाम लिखवा देंगे। क्या मरीजों की जान इतनी सस्ती है?

सीएमओ ने लिया संज्ञान, पर सवाल बाकी

मामले की गंभीरता को देखते हुए अयोध्या के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशील कुमार बनियान ने स्वयं पीड़ित पिता से फोन पर बात की। उन्होंने अस्पताल संचालक के आरोपों को निराधार बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया है।

शुभम हत्याकांड: सरयू के तट पर बहाया 'दोस्ती' का खून

प्रेम, रंजिश और पैसों ने बनाया कातिल

» एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने प्रेसवार्ता में किया खुलासा, दो आरोपी गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जनपद में सरयू नदी के तट पर हुई युवक की सनसनीखेज हत्या का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर के निर्देशन व एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी की निगरानी में थाना रौनाही पुलिस टीम ने इस जघन्य हत्याकांड का खुलासा किया। यह जानकारी एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने पत्रकारो को दी।

मामला थाना रौनाही पर पंजीकृत मु.अ.सं. 597/2025, धारा 103(1)/238 बीएनएस व 3(2)-एससी/एसटी एक्ट से जुड़ा है।

घटना में शामिल अभियुक्तों को 2 जनवरी 2026 को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त रक्तरंजित बांका, मृतक का पर्स, स्कूल पहचान पत्र व नकदी बरामद की है।

उन्होंने बताया कि 26 दिसंबर 2025 को शुभम रावत (निवासी खानपुर, थाना खंडासा) रौनाही ड्योढ़ी बाजार आने के बाद घर वापस नहीं लौटा। अगले दिन पिता आशाराम रावत ने बेटे की गुमशुदगी दर्ज कराई।

जांच के दौरान पुलिस ने मृतक के दोस्तों के सीडीआर खंगाले, जिसमें अंकुर पाण्डेय व गिरीश रावत संदिग्ध पाए गए। पूछताछ में दोनों ने पहले सरयू नदी में डूबने की कहानी गढ़ी, लेकिन सख्ती से पूछताछ करने पर सच्चाई सामने आ गई। आरोपियों की निशानदेही पर 31 दिसंबर 2025 को सरयू नदी से शव बरामद किया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर धारदार हथियार से गंभीर चोटों के कारण मौत की पुष्टि हुई।

पम्पिंग स्टेशन के पास ले जाकर...

पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि शुभम द्वारा अंकुर पाण्डेय की शादी की फोटो उसकी पुरानी प्रेमिका को भेजे जाने से विवाद हुआ था, वहीं गिरीश रावत से पैसों के लेन-देन को लेकर आए दिन झगड़ा होता था।

इन्हीं कारणों से दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई और 26 दिसंबर को पम्पिंग स्टेशन के पास ले जाकर शुभम की बेरहमी से हत्या कर शव सरयू में फेंक दिया। अयोध्या पुलिस की त्वरित व सटीक कार्रवाई से हत्याकांड का खुलासा कर आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया गया है। एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी ने बताया कि मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह इस साल नहीं होगा, अब 2027 में कार्यक्रम

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में बालक राम की प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाई जाती है। प्राण प्रतिष्ठा द्वादशी अब सीधे एक साल 15 दिन बाद 19 जनवरी 2027 को मनाई जाएगी। पंचांग और तिथियों की खगोलीय गणना के अनुसार साल 2025 में पौष शुक्ल द्वादशी दो बार पड़ी थी, जबकि 2026 में अधिकमास के कारण यह तिथि एक बार भी नहीं आएगी।

22 जनवरी 2024 को भव्य मंदिर में बालक राम की प्राण प्रतिष्ठा हुई थी। उस दिन पंचांग के अनुसार पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि थी। प्राण प्रतिष्ठा उत्सव को राम मंदिर ट्रस्ट ने प्रतिष्ठा द्वादशी का नाम दिया है। हर साल प्राण प्रतिष्ठा की वर्षगांठ प्रतिष्ठा द्वादशी के रूप में मनाई जाएगी। बीते साल प्रतिष्ठा द्वादशी का उत्सव दो बार मनाया गया। प्रतिष्ठा द्वादशी का पहला उत्सव 11 जनवरी व दूसरा 31 दिसंबर को मनाया गया है, लेकिन वर्तमान वर्ष 2026 में यह तिथि नहीं आ रही है ज्योतिषाचार्य पंडित प्रवीण शर्मा बताते हैं कि हिंदू पंचांग चंद्र-सौर प्रणाली पर आधारित होता है। इसमें तिथि की गणना चंद्रमा और सूर्य के आपसी कोण (डिग्री) से की जाती है। एक तिथि तब बदलती है, जब चंद्रमा सूर्य से 12 अंश आगे बढ़ता है। चंद्र मास लगभग 29 दिन का होता है, जबकि सौर मास करीब 30-31 दिन का। इस अंतर के कारण कई बार एक ही तिथि दो सौर तिथियों में पड़ जाती है। इसे तिथि क्षय या तिथि वृद्धि की स्थिति कहा जाता है। 2025 में पौष मास के दौरान तिथि वृद्धि की स्थिति बनी। इससे पौष शुक्ल द्वादशी दो बार आई और उसी वर्ष दो बार प्रतिष्ठा द्वादशी मनाई गई।

शंख एयरलाइनः कैसे तय किया टैंपो चलाने से लेकर एयरलाइंस कंपनी के मालिक बनने का सफर

प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। संघर्ष और मेहनत की मिसाल पेश करते हुए कानपुर के श्रवण कुमार विश्वकर्मा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उनकी कंपनी शंख एयरलाइन को नागरिक उड्डयन मंत्रालय से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गया है। इसके साथ ही वर्ष 2026 में एयरलाइन की पहली उड़ान शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। शंख एयरलाइन का मुख्यालय लखनऊ में होगा और पहली फ्लाइट 2026 की पहली तिमाही में लखनऊ से दिल्ली या मुंबई के लिए उड़ान भर सकती है। आगे चलकर कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर जैसे शहरों को सीधे बड़े महानगरों से जोड़ने की योजना है। हालांकि लोगों के बीच यह चर्चा जरूर हो रही है कि कभी टैंपो चलाने वाला हजारों करोड़ की एयरलाइंस का मालिक कैसे बना, इसका अभी कोई पुख्ता विवरण साने नहीं आया है।

शंख एयरलाइन की सबसे बड़ी खासियत तय किराया नीति होगी। कंपनी का दावा है कि

- **नागरिक उड्डयन मंत्रालय से एनओसी, 2026 में पहली उड़ान की तैयारी**
- **किफायती किराया, त्योहारों में नहीं बढ़ेंगे दाम, आम यात्रियों पर फोकस**

त्योहारों के दौरान टिकटों की मनमानी बढ़ोतरी नहीं की जाएगी। होली, दिवाली और छठ जैसे अवसरों पर भी मध्यम वर्ग के यात्रियों को राहत मिलेगी। एयरलाइन की शुरुआत एयरबस ए320 विमानों से होगी और 2026-27 तक 15 से 25 विमानों का बेड़ा तैयार करने का लक्ष्य है।

कानपुर के लाटूश रोड क्षेत्र में पले-बढ़े श्रवण कुमार विश्वकर्मा ने कभी टेंपो चलाया और लोहे-सरिया के कारोबार से जीवन की शुरुआत की थी। पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी संभालते हुए उन्होंने

संघर्ष से सफलता तक का सफर तय किया। श्रवण का मानना है कि जिसने जमीन से जुड़ा सफर देखा हो, वही आम आदमी की जरूरतों को बेहतर समझ सकता है। उनकी यह कहानी न सिर्फ कारोबारी सफलता है, बल्कि लाखों युवाओं के लिए प्रेरणा भी है। साथ ही यह भी बात लोगों तक पहुंचानी होगी किस तरह से उसने टैंपो से लेकर एयरलाइंस कंपनी के मालिक बनने का सफर तय किया।

आईपीएल-2026 से बाहर हुए बांग्लादेशी प्लेयर मुस्तफिजुर रहमान

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

नई दिल्ली। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने पुष्टि की है कि मुस्तफिजुर रहमान आईपीएल 2026 में हिस्सा नहीं लेंगे। बोर्ड ने मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स को निर्देश दिया है कि वह मुस्तफिजुर को अपने स्क्वॉड से रिलीज करे। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि केकेआर उनकी जगह किसी अन्य खिलाड़ी को टीम में शामिल कर सकती है, जिसकी अनुमति बीसीसीआई देगा।

गौरतलब है कि केकेआर ने मुस्तफिजुर को 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था, जिससे वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे बांग्लादेशी खिलाड़ी बन गए थे। मुस्तफिजुर इससे पहले सनराइजर्स

- **बीसीसीआई ने लिया सख्त फैसला, 9.20 करोड़ में खरीदे गए थे मुस्तफिजुर, अब केकेआर को मिलेगा विकल्प**

हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स, चेन्नई सुपर किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेल चुके हैं। अब तक 60 आईपीएल मैचों में उन्होंने 65 विकेट लिए हैं।

बोर्ड सूत्रों के मुताबिक, बांग्लादेश की राजनीतिक अस्थिरता और हालिया घटनाओं के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है, हालांकि बीसीसीआई बांग्लादेशी टीम के आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों और वीजा से जुड़े मामलों पर विदेश मंत्रालय के साथ समन्वय बनाए हुए है।

पौष पूर्णिमा पर संगम से काशी तक आस्था की डुबकी

स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

लखनऊ । माघ मेले के प्रथम स्नान पर्व पौष पूर्णिमा के अवसर पर संगम नगरी प्रयागराज में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। शनिवार दोपहर 12 बजे तक लगभग 12 लाख श्रद्धालुओं ने संगम में पवित्र स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। तड़के ब्रह्म मुहूर्त से ही संगम तट पर श्रद्धालुओं की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। प्रशासन की ओर से सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।इसी क्रम में वाराणसी में भी गंगा स्नान को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। दशाश्वमेध, अस्सी, मणिकर्णिका समेत विभिन्न घाटों पर करीब 5 लाख श्रद्धालुओं ने मां गंगा व पवित्र नदियों में आस्था की डुबकी लगाई। घाटों पर हर-हर गंगे और जय मां गंगा के जयकारे गूंजते रहे।

धार्मिक नगरी अयोध्या में ढाई लाख श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान कर पुण्य अर्जित

- **प्रयागराज में 12 लाख, वाराणसी में 5 लाख ने लगाई पवित्र डुबकी**
- **अयोध्या, मथुरा समेत प्रदेशभर के तीर्थों में गूंजा हर-हर गंगे का जयघोष**

किया। वहीं मथुरा में यमुना घाटों पर 1 लाख भक्तों ने स्नान किया। फर्रुखाबाद और मिर्जापुर में करीब 50 हजार, जबकि हापुड़ में 25 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र नदियों में स्नान किया। प्रदेशभर के प्रमुख तीर्थ स्थलों पर पौष पूर्णिमा के स्नान पर्व को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखा। प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवकों की निगरानी में स्नान पर्व शांतिपूर्ण ढंग से देर शाम तक चलता रहा।